**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या *74**

**दिनांक 24 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ**

**.....**

**बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट**

***74. श्री नारायणदास अहिरवार:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ते जल संकट से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संकट से निपटने के लिए पिछले पाँच वर्षों के दौरान कार्यान्वित योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में वर्षा जल संचयन, नदी पुनर्जीवन, पारंपरिक जल निकायों के पुनरुद्धार या जलग्रहण क्षेत्र के विकास से संबंधित योजनाएँ कार्यान्वित की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) भविष्य में उक्त क्षेत्र में जल की प्रचुरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ठोस कार्य योजना क्या है?

**उत्तर**

**जल शक्ति मंत्री**

**(श्री सी. आर. पाटील)**

**(क) से (घ):** एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**"बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट" के संबंध में दिनांक 24.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न संख्या *74 के भाग (क) से (घ) में उल्लिखित विवरण।**

**(क):** किसी भी क्षेत्र या देश की औसत वार्षिक जल उपलब्धता मुख्यतः जल-मौसम विज्ञान और भूवैज्ञानिक कारकों पर निर्भर करती है। किसी क्षेत्र में वर्षण में अत्यधिक अस्थायी और स्थानिक विषमताओं के कारण, जल उपलब्धता के परिणामस्वरूप जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

वर्ष 2022 से केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्य/नोडल/भूजल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से, समय-समय पर, देश के सक्रिय भूजल संसाधनों का आकलन प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भूजल संसाधन आकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी चौदह (14) जिलों का आकलन किया जा चुका है। चौदह (14) में से दस (10) जिलों को सुरक्षित, तीन (03) जिलों को गंभीर और एक (01) जिले को अर्ध-गंभीर माना गया है। बुंदेलखंड क्षेत्र के जिलों हेतु भूजल संसाधन आकलन (जीडब्ल्यूआरए-2024) का सारांश **अनुलग्नक-I** में दिया किया गया है।

**(ख) से (घ)**: 'जल' के राज्य का विषय होने के कारण, जल संसाधनों के संवर्धन, संरक्षण और कुशल प्रबंधन के लिए उपाय मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किए जाते हैं। राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता करने हेतु, केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

भारत सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संरक्षण, सतत भूजल प्रबंधन, भूजल स्तर में सुधार और पानी की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न पहले/उपाय किए हैं:

- नदियों को आपस में जोड़ना (आईएलआर) - आईएलआर एक ऐसी परियोजना है जिसके माध्यम से अधिशेष जल वाले बेसिन से जल की कमी वाले बेसिन में जल अंतरण किया जाता है। **केन बेतवा लिंक परियोजना (केबीएलपी), राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत कार्यान्वयन हेतु शुरू की गई पहली आईएलआर परियोजना है।** यह परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के जल संकट का सार्थक समाधान करेगी।
- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई)** का शुभारंभ वर्ष 2015-16 के दौरान किया गया था, जिसका उद्देश्य खेतों में पानी की वास्तविक पहुंच को बढ़ाना और सुनिश्चित सिंचाई के तहत कृषि योग्य क्षेत्र का विस्तार करना, खेत में जल उपयोग दक्षता में सुधार करना, सतत जल संरक्षण प्रथाओं को लागू करना आदि है। पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के तहत, 4

परियोजनाएं (उत्तर प्रदेश में एक और मध्य प्रदेश में तीन) हैं जो भारत के बुंदेलखंड क्षेत्र को लाभान्वित कर रही हैं।

- भारत सरकार बुंदेलखंड क्षेत्र के विभिन्न जिलों में **अटल भूजल योजना** को लागू कर रही है, जिसका उद्देश्य सतत भूजल प्रबंधन के लिए समुदाय के भागीदारी दृष्टिकोण के माध्यम से भूजल स्तर में गिरावट को रोकना है।

- भारत सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र सहित भारत के सभी जल संकटग्रस्त खंडों में भूजल की स्थिति सहित जल उपलब्धता में सुधार लाने के उद्देश्य से **जल शक्ति अभियान (जेएसए)** को मिशन मोड में शुरू किया गया। इस गति को बनाए रखने के लिए, राष्ट्रीय जल मिशन ने वर्ष 2020 में कैच द रेन (सीटीआर) अभियान शुरू किया, जिसे बाद में वर्ष 2021 में जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) के साथ एकीकृत कर दिया गया। अब यह एक वार्षिक पहल है, जिसमें जेएसए: सीटीआर का छठा संस्करण 22 मार्च 2025 को "जल संचय, जन भागीदारी: जन जागरूकता की ओर" विषय के साथ शुरू किया गया।

- केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जिलों में **राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण (नैक्यूम)** परियोजना पूर्ण कर ली है। जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन योजनाएँ तैयार करके संबंधित राज्य एजेंसियों के साथ साझा की गई हैं। ब्लॉक-वार प्रबंधन योजनाओं में पुनर्भरण संरचनाओं के माध्यम से विभिन्न जल संरक्षण उपाय शामिल हैं।

- **जल जीवन मिशन** के अंतर्गत, भारत सरकार सभी ग्रामीण परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने हेतु वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करके राज्यों की सहायता करती है।

- **सीजीडब्ल्यूबी** ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से **भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण हेतु मास्टर प्लान - 2020** तैयार किया है, जो बुंदेलखंड क्षेत्र सहित देश की विविध भौगोलिक परिस्थितियों के लिए विभिन्न संरचनाओं को दर्शाने वाली एक वृहद स्तरीय योजना है।

*****

**अनुलग्नक-I**

**"बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट" के संबंध में दिनांक 24.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न संख्या *74 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।**

**सीजीडब्ल्यूबी 2024 के अनुसार बुंदेलखंड क्षेत्र के जिलों के लिए भूजल संसाधन आकलन**

| क्र. सं. | राज्य | जिला | कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण | वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन | वार्षिक भूजल निष्कर्षण | वर्ष 2025 तक घरेलू उपयोग के लिए वार्षिक भूजल का आवंटन | भविष्य में उपयोग के लिए निवल भूजल की उपलब्धता | भूजल निष्कर्षण का स्तर (%) | श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मध्य प्रदेश | छतरपुर | 88202.86 | 83792.73 | 53773.06 | 3324.12 | 29851.6 | 64.17 | सुरक्षित |
| 2 | | दमोह | 39610.05 | 37629.53 | 21983.32 | 2735.18 | 15276.5 | 58.42 | सुरक्षित |
| 3 | | दतिया | 49572.42 | 47093.81 | 17065.49 | 1894.54 | 29929.74 | 36.24 | सुरक्षित |
| 4 | | निवाड़ी | 20177.35 | 19168.47 | 12888.07 | 1339.31 | 6102.63 | 67.24 | सुरक्षित |
| 5 | | पन्ना | 54691.37 | 51956.8 | 18936.85 | 2635.57 | 32900.13 | 36.45 | सुरक्षित |
| 6 | | सागर | 109286.49 | 103451.02 | 61105.44 | 4089.76 | 42117.73 | 59.07 | सुरक्षित |
| 7 | | टीकमगढ़ | 40862.48 | 38819.36 | 30396.84 | 3746.52 | 7839.53 | 78.3 | अर्द्ध-गंभीर |
| 8 | उत्तर प्रदेश | बाँदा | 73301.12 | 66450.21 | 43989.34 | 4256.96 | 22233.22 | 66.2 | सुरक्षित |
| 9 | | चित्रकूट | 43872.74 | 40047.16 | 33169.49 | 2834.09 | 6675.13 | 82.83 | अर्द्ध-गंभीर |
| 10 | | हमीरपुर | 45654.6 | 41346.26 | 27837.36 | 2268.15 | 13454.14 | 67.33 | सुरक्षित |
| 11 | | जालौन | 103736.71 | 93767.55 | 52259.64 | 4509.25 | 41365.94 | 55.73 | सुरक्षित |
| 12 | | झांसी | 74157.88 | 67359 | 44072.24 | 3439.34 | 23090.04 | 65.43 | सुरक्षित |
| 13 | | ललितपुर | 39658.76 | 36339.3 | 30579.47 | 3775.9 | 5506.42 | 84.15 | अर्द्ध-गंभीर |
| 14 | | महोबा | 30635.76 | 27843.33 | 25578.91 | 1212.54 | 3218.42 | 91.87 | गंभीर |

*****